ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः

ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः

ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः
ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः ॐ अरपचन धीः